

अमीर खुसरो

(जन्म : सन् 1253 ई., निधन : सन् 1325 ई.)

आदिकाल की राज्याश्रय परंपरा से सर्वथा मुक्त अमीर खुसरो की कविता लोकजीवन का रंगों में रंगी हुई है। उनकी हलकी-फुलकी रचनाओं में ज्ञान के साथ-साथ मनोविनोद की सुंदर सामग्री प्रस्तुत की गई है। संकलित पहेलियाँ और मुकरियों में मानव-मन की जिज्ञासा, कुतूहल और रहस्यों का विनोदपूर्ण शैली में उद्घाटन किया गया है। छोटी-छोटी रचनाओं में गहरे अर्थ अभिव्यंजित कर कवि ने अपने कला-कौशल का अच्छा परिचय दिया है।

उनकी पहेलियों में किसी वस्तु का टेढ़ा-मेढ़ा लक्षण देकर अभिप्रेत वस्तु का नाम पूछा जाता है। मुकरियों में आरंभ में कही गई बात का खंडन करते हुए सही बात की ओर संकेत किया जाता है। इन पहेलियाँ मुकरियों में विनोद के साथ ज्ञान परोसा गया है। इनके द्वारा विद्यार्थियों के ज्ञान की कसौटी भी हो जाती है, साथ-साथ चिंतन और जिज्ञासा भी जाग्रत होते हैं।

पहेलियाँ

- जूता पहना नहीं ?
समोसा खाया नहीं ? (क्यों ?)
उत्तर : तला नहीं था ।
- अनार क्यों न चखा ?
वजीर क्यों न रखा ?
उत्तर : दाना न था ।
- रोटी जली क्यों ?
घोड़ा अड़ा क्यों ?
पान सड़ा क्यों ?
उत्तर : फेरा न था ।
- एक नारि के हैं दो बालक, दोनों एक ही रंग ।
एक फिरे एक ठाढ़ा रहै, फिर भी दोनों संग ॥
उत्तर : चक्की के पाट

मुकरियाँ

- जब माँगू तब जल भरि लावे
मेरे मन की तपन बुझावे
मन का भारी तन का छोटा
ए सखि साजन ? ना सखि लोटा । उत्तर : लोटा
- वो आवे तो शादी होय
उस बिना दूजा और न कोय
मीठे लागे वा के बोल
ए सखि साजन ? ना सखि ढोल । उत्तर : ढोल
- अति सुरंग है रंग-रंगीले
है गुणवंत बहुत चटकीला
राम-भजन बिन कभी न सोता
ए सखि साजन ? ना सखि तोता । उत्तर : तोता

शब्दार्थ

अनार एक दानेदार फल, दाडम (गुज.) वजीर मंत्री अड़ना रुक जाना ठाढ़ा खड़ा तपन आग साजन पति दूजा दूसरा गुणवंत गुणवान

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

- (1) 'तला' शब्द के दो अर्थ बताइए ।
- (2) 'वजीर में दाने नहीं थे' क्या अर्थ है ?
- (3) ढोल और साजन में क्या समानता है ?
- (4) राम भजन बिना कौन नहीं सोता है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

- (1) न फेरने पर रोटी, घोड़े और पान की क्या हालत होती है ?
- (2) चक्की के दो पाटों की क्या विशेषता बताई हैं ?
- (3) लोटा क्या-क्या करता है ?

योग्यता-विस्तार

- किसी भी वस्तु को लेकर पहेलियाँ बनाने की, बुझाने की और सुलझाने की प्रवृत्ति कीजिए ।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- अपनी भाषा में पहेलियाँ बनाइए ।
- अमीर खुसरो की कुछ अन्य पहेलियाँ ढूँढ़िए ।

●